Sandhya Times

Customers ke liye behtar hogi banking service

Date: 06/09/2015 | Edition: Delhi | Page: 14 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 14 H: 22

India Media Monitor

कस्टमर्स के लिए बेहतर होगी बैंकिंग सर्विस

■ प्रीति कुलकर्णी

बैंकिंग सेक्टर में पेमेंट बैंकों के आने से कस्टमर्स को बेहतर सर्विसेज और लोअर ट्रांजैक्शन कॉस्ट जैसी सहूलियतें हासिल हो सकेंगी। रिजर्व बैंक ने पिछले हफ्ते 11 एप्लिकेंट्स को पेमेंट बैंक खोलने की इजाजत दे दी। ये बैंक डिपॉजिट और रेमिटेंस जैसी सुविधाएं और अन्य प्रॉडक्ट्स ऑफर करेंगे, लेकिन ये लोन नहीं दे सकते। पेमेंट बैंक अपने नेटवर्क, बिजनेस कॉरस्पॉन्डेंट्स या दूसरों की तरफ से मुहैया कराए गए नेटवर्क के जरिये सर्विस ऑफर करेंगे।

इन बैंकों के जरिये फाइनेंशियल इनक्लूजन का दायरा बढ़ने की उम्मीद है। हालांकि, पेमेंट बैंकों से सिर्फ बैंकिंग सुविधा से वंचित या लोअर इनकम ग्रुप को ही फायदा नहीं होगा। आरबीआई ने पेमेंट बैंकों के लाइसेंस को ऐसे वक्त में मंजूरी दी है, जब डिजिटल पेमेंट सिस्टम ऊंची उड़ान भरने को तैयार है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक स्टडी के मुताबिक, डिजिटल बैंकिंग के कस्टमर्स की संख्या 2020 तक 23 करोड़ को पार कर जाने का अनुमान है और पेमेंट बैंकों के आने से यह आंकड़ा 30 करोड़ तक पहुंच सकता है। साथ ही, पेमेंट प्रोसेसिंग सर्विसेज मुहैया कराने वाले जनरल बैंक और अन्य इकाइयां पहले ही ऐसे बैंकों के लिए पर्याप्त गुंजाइश बना चुकी हैं। डिजिटल बैंकिंग से जुड़े 50 फीसदी कस्टमर्स का कहना है कि पेमेंट बैंकों के लॉन्च के बाद वे इससे जुड़ा प्रयोग जरूर करेंगे। हम आपको बता रहे हैं कि पेमेंट बैंक किस तरह से आपके ट्रांजैक्शन पर असर डाल सकते हैं।

लोअर ट्रांजैक्शन कॉस्ट

मौजूदा बैंकिंग सिस्टम में पेमेंट बैंक अहम रोल निभा सकते हैं। इससे बैंकिंग सेक्टर में कॉम्पिटिशन बढ़ेगा। पेमेंट बैंकिंग के लिए जिन इकाइयों को मंजूरी मिली है, उनके पास फंड की कमी नहीं है। लिहाजा, आप ट्रांजैक्शन कॉस्ट में कमी की उम्मीद कर सकते हैं।

बेहतर सर्विस स्टैंडर्ड

पेमेंट बैंकों से कॉम्पिटिशन के कारण मौजूदा बैंक अपनी सर्विसेज को बेहतर कर सकते हैं। दरअसल, पेमेंट बैंक कस्टमर्स की बदलती जरूरतों के हिसाब से सर्विस देने में ज्यादा बेहतर हालत में होंगे। बैंकों के गैर-जरूरी कायदा-कानून पर जोर देने का मतलब होगा कि कस्टमर्स अपना रास्ता बदल सकते हैं। कुमार ने बताया, 'यह नए बैंकों की एंट्री के लिए बेहतर आधार हो सकता है।'

टेक्नोलॉजी का बड़ा रोल

पेमेंट बैंक के लिए मंजूरी हासिल करने वाली वोडाफोन एम-पैसा, एयरटेल-मनी और फिनो पेटेक जैसी इकाइयों का ट्रैक रिकॉर्ड टेक्नोलॉजी आधारित इंटेंसिव पेमेंट प्रोसेसिंग सर्विसेज मुहैया कराने का रहा है।

इनोवेशन

चूंकि पेमेंट बैंकों को बड़े और स्थापित बैंकों से मुकाबला करना होगा, लिहाजा वे रेस में बने रहने के लिए खुद को इनोवेट करेंगे। कुमार का मानना है कि प्रॉडक्ट्स और सर्विसेज को लेकर रवैया पूरी तरह से बदल जाएगा। उन्होंने बताया, 'इन बैंकों को कस्टमर्स के नजरिये से सोचने की शुरुआत करनी होगी।'

बड़ा नेटवर्क

जिन एंटिटीज को पेमेंट बैंक खोलने की इजाजत मिली है, उनकी फिजिकल या डिजिटल स्पेस में जबरदस्त मौजूदगी है। मिसाल के तौर पर इंडिया पोस्ट, पेटीएम, फिनो पेटेक और चोलामंडलम डिस्ट्रीब्यूशन सर्विसेज के पास कस्टमर का बड़ा नेटवर्क है। दीवानजी ने बताया, 'कुछ इकाइयां अपने मौजूदा नेटवर्क की ताकत का फायदा उठाने में सक्षम होंगी यानी बैंकिंग सर्विसेज और बेहतर हो सकती है।'

पेमेंट बैंक के लिए RBI की जिन्हें अनुमति मिली...

- डिपार्टमेंट ऑफ पोस्ट्स
- RIL
- आदित्य बिड़ला नुवो
- वोडाफोन एम-पेसा
- एयरटेल एम-कॉमर्स
- टेक महिंद्रा
- सन फार्मा के दिलीप सांघवी
- पेटीएम के विजय शेखर शर्मा
- चोलामंडलम डिस्ट्री सर्विसेज
- फिनो पेटेक
- NSDL